Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

कक्षा-11 | इतिहास

आधुनिकीकरण के रास्ते



अध्याय-7 | भाग-5

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. अफ़ीम का व्यापार
2. गणतंत्र की स्थापना



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

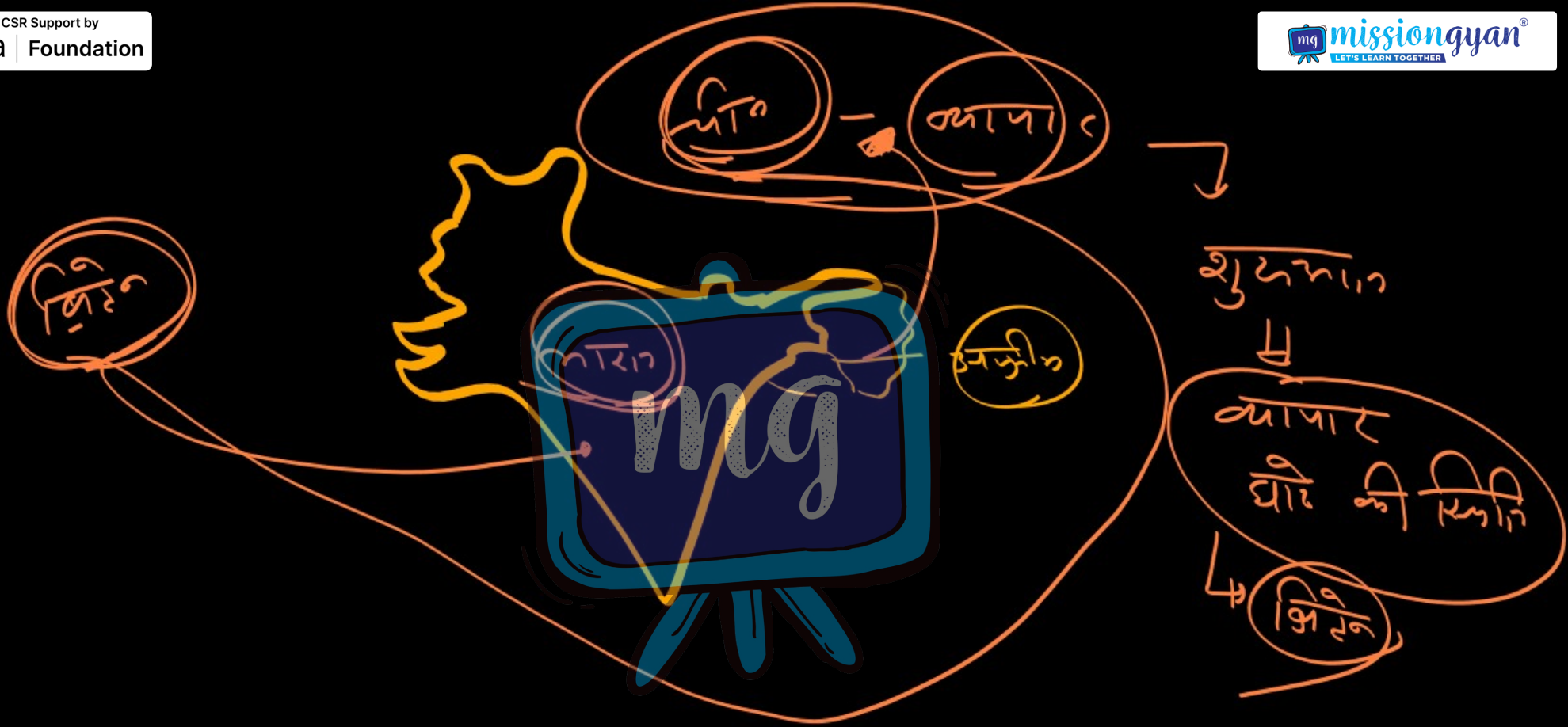


अफ़ीम का व्यापार

- पश्चिमी उत्पादों को चीन में बाज़ार नहीं मिला।
- जिसकी वजह से भुगतान चाँदी में करना पड़ता था।
- ईस्ट इंडिया कंपनी ने अफ़ीम का विकल्प ढूँढ़ा।
- चीन में अफ़ीम बेचने के ज़रिये वे चाँदी कमाते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- उस चाँदी का इस्तेमाल ब्रिटेन के लिए चाय, रेशम और चीनी मिट्टी के बर्तन खरीदने के लिए करते थे।
- ब्रिटेन, भारत और चीन के बीच यह उत्पादों का 'त्रिकोणीय व्यापार' था।
- कांग यूवेई और लियांग किचाउ ने एक आधुनिक प्रशासकीय व्यवस्था, नयी सेना और शिक्षा व्यवस्था के निर्माण के लिए नीतियाँ बनाई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- उन्होंने चीन को उपनिवेशीकरण से बचाने की ज़रूरत भी महसूस की।
- लियांग किचाउ का मानना था कि चीनी लोगों में एक राष्ट्र की जागरूकता लाकर ही चीन पश्चिम का विरोध कर पाएगा।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कन्फयूशियसवाद चीन में प्रमुख विचारधारा रही है।
- इसका दायरा अच्छे व्यवहार, व्यावहारिक समझदारी और उचित सामाजिक संबंधों के सिद्धांतों का था।
- 1890 के दशक में बड़ी तादाद में चीनी विद्यार्थी पढ़ने के लिए जापान गए।
- चीन ने जापान से न्याय, अधिकार और क्रांति के यूरोपीय विचारों के जापानी अनुवाद लिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

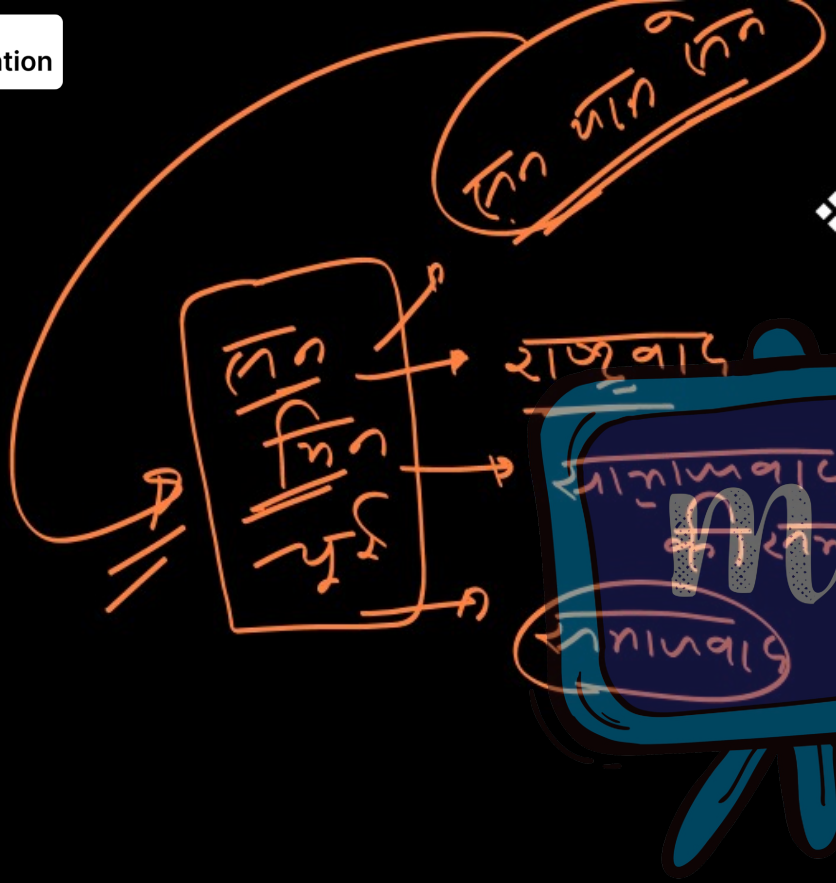
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गणतंत्र की स्थापना

- 1911 में मांचू साम्राज्य समाप्त कर दिया गया।
- सन यात-सेन के नेतृत्व में गणतंत्र की स्थापना की गई।
- वे आधुनिक चीन के संस्थापक माने जाते हैं।
- उनका कार्यक्रम तीन सिद्धांत (सन मिन चुई) के नाम से मशहूर है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

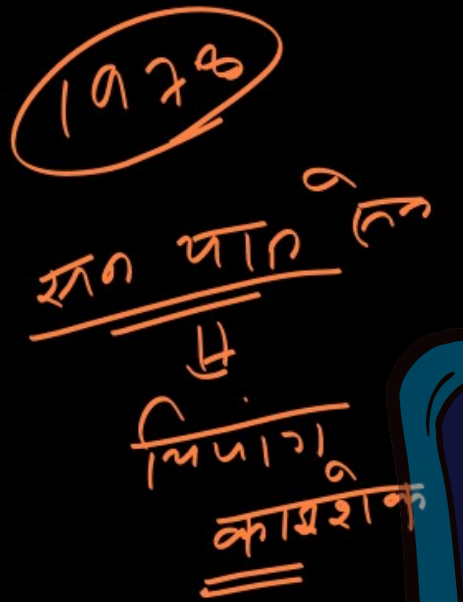


❖ ये तीन सिद्धांत हैं :

- राष्ट्रवाद (मांचू वंश जिसे विदेशी राजवंश के रूप में देखा जाता था, को सत्ता से हटाना)
- साम्राज्यवादियों को हटाना (गणतंत्र या गणतांत्रिक सरकार की स्थापना करना)
- समाजवाद (जो पूँजी का नियमन करे और भूस्वामित्व में बराबरी लाए)।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- सन यात-सेन के विचार कुओमौनतांग के राजनीतिक दर्शन का आधार बने।
- उन्होंने कपड़ा, खाना, घर और परिवहन इन 'चार बड़ी ज़रूरतों' को रेखांकित किया।
- सन यात-सेन की मृत्यु के बाद चियांग काइशेक कुओमीनतांग के नेता बनकर उभरे।
- उन्होंने राष्ट्र का सैन्यकरण करने की भी कोशिश की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1919

- शंघाई में 1919 में औद्योगिक मज़दूर वर्ग उभर रहा था।
- 1902 में पीकिंग विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- शाओ तोआफेन द्वारा संपादित लोकप्रिय लाइफ वीकली इस नयी विचारधारा की प्रतिनिधि थी।
- इसने पाठकों को गांधी और तुर्की के आधुनिकतापसंद नेता कमाल अतातुर्क से अवगत करवाया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

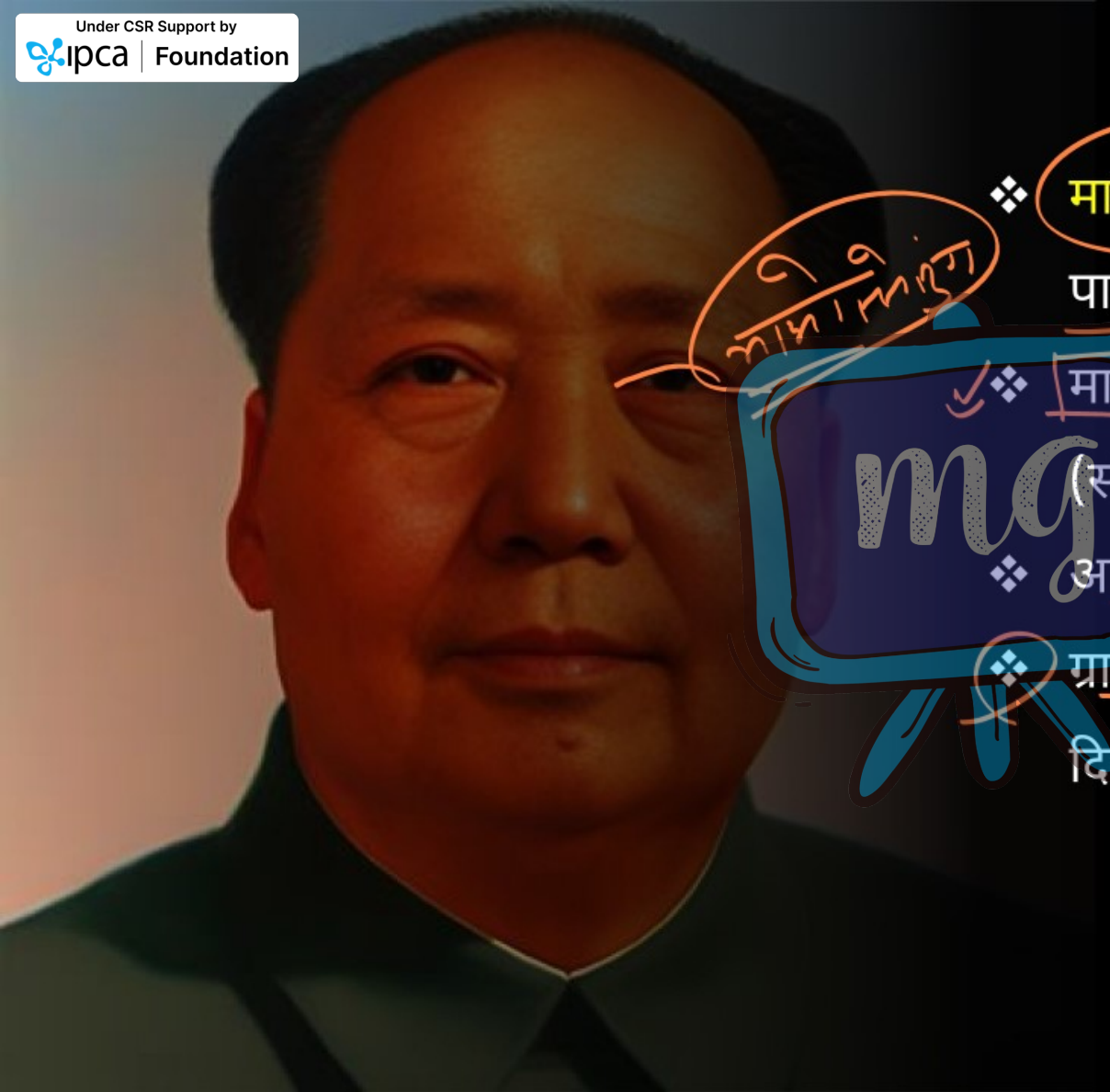
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चीनी साम्यवादी दल का उदय

- चीन की साम्यवादी पार्टी की स्थापना 1921 में हुई थी।
- लेनिन और ट्रॉट्स्की जैसे नेताओं ने मार्च 1918 में कौमिंटर्न या तृतीय अंतर्राष्ट्रीय का गठन किया।
- कौमिंटर्न और सोवियत संघ ने दुनिया भर में साम्यवादी पार्टियों का समर्थन किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- माओ त्सेतुंग की सफलता से चीनी साम्यवादी पार्टी एक शक्तिशाली राजनीतिक ताकत बनी।
- माओ त्सेतुंग ने मज़बूत किसान परिषद (सोवियत) का गठन किया।
- आज़ाद सरकार और सेना पर ज़ोर दिया।
- ग्रामीण महिला संघों को उभरने में प्रोत्साहन दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कम्युनिस्टों की सोवियत की कुओ मीन तांग द्वारा नाकेबंदी की गई।
- इसके चलते उन्हें लाँग मार्च (1934-35) पर जाना पड़ा।
- जो कि शांग्सी तक 6000 मील का मुश्किल सफ़र था।
- साम्यवादी सत्ता में आ गए और कुओमीनतांग की हार हो गई।

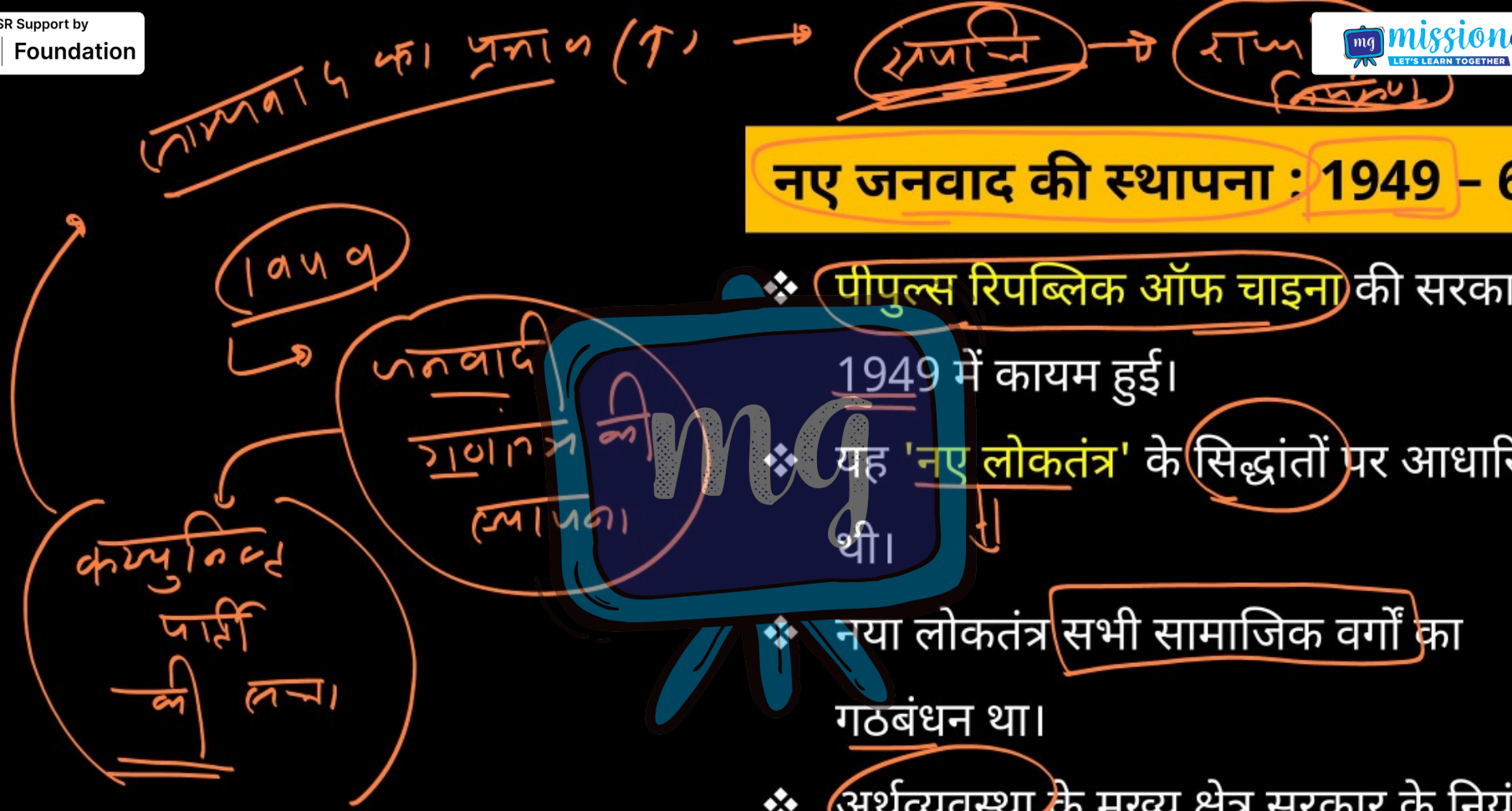
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नए जनवाद की स्थापना : 1949 - 65

- पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार 1949 में कायम हुई।
- यह 'नए लोकतंत्र' के सिद्धांतों पर आधारित थी।
- नया लोकतंत्र सभी सामाजिक वर्गों का गठबंधन था।
- अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्र सरकार के नियंत्रण में रखे गए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



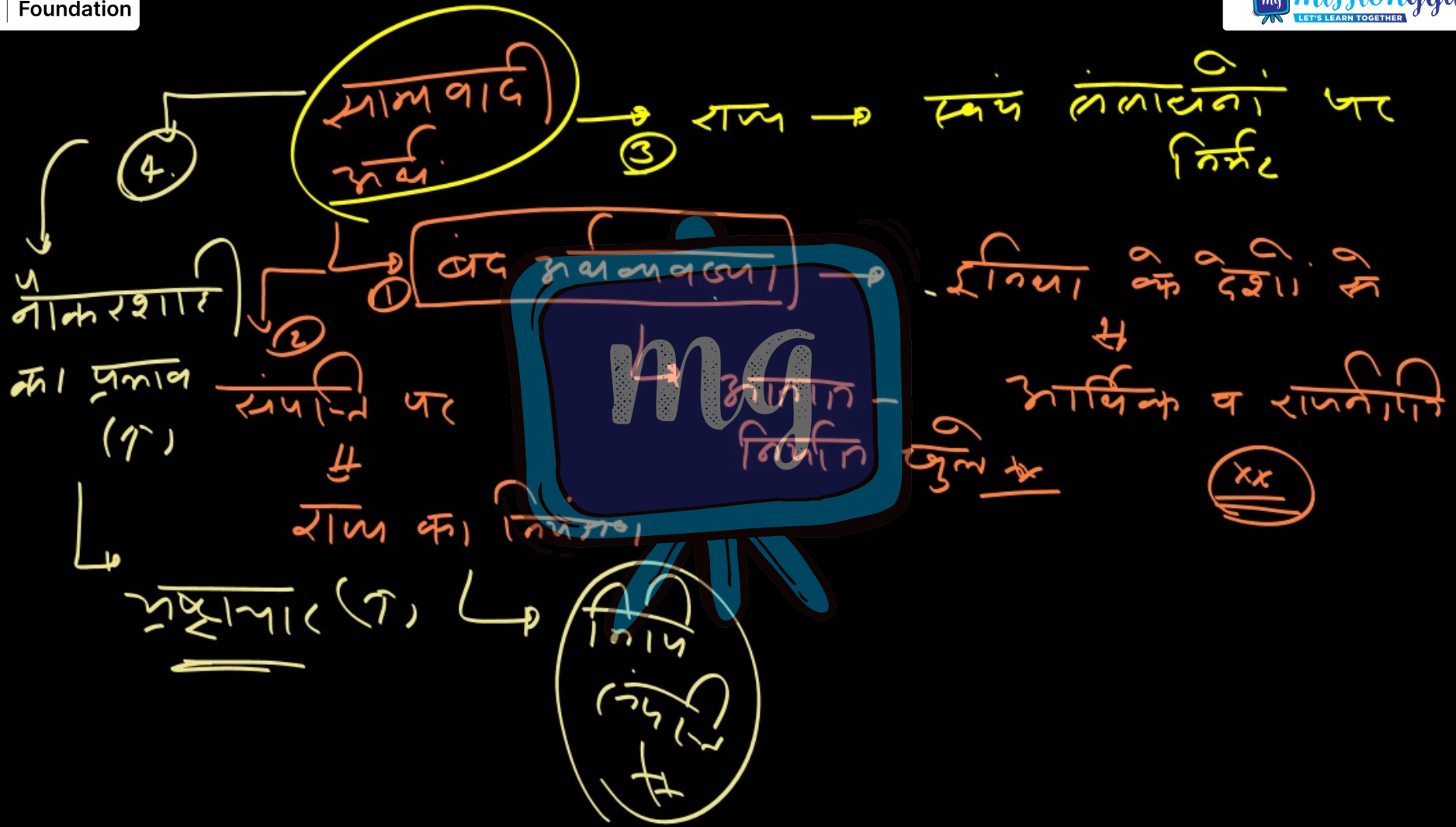
1958 →



- निजी कारखानों और भूस्वामित्व को धीरे-धीरे खत्म किया गया।
- 1958 में देश का तेज़ी से औद्योगीकरण करने की कोशिश की गई।
- लोगों को अपने घर के पीछे इस्पात की भट्ठियाँ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- ग्रामीण इलाकों में पीपुल्स कम्यून्स जहाँ लोग इकट्ठे ज़मीन के मालिक थे और मिल-जुलकर फसल उगाते थे, की शुरूआत हुई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उनका उद्देश्य 'समाजवादी व्यक्ति' बनाने की थी जिसकी पाँच चीजें प्रिय होंगी –
  - पितृभूमि
  - जनता
  - काम
  - विज्ञान
  - जन सम्पत्ति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

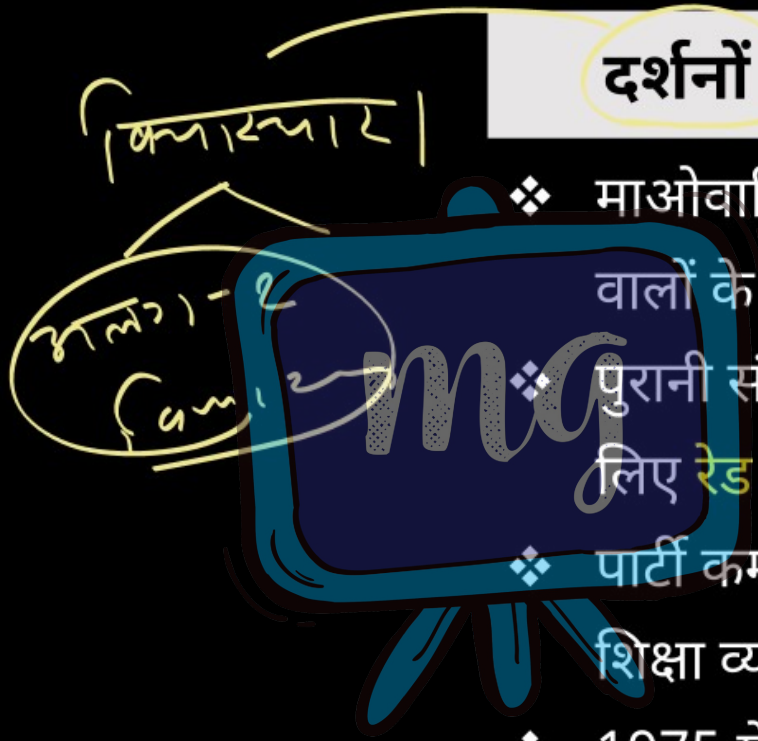
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- किसानों, महिलाओं, छात्रों और अन्य गुटों के लिए जन संस्थाएँ बनाई गईं –
  - ऑल चाइना डेमोक्रेटिक वीमेंस फेडरेशन
  - ऑल चाइना स्टूडेंट्स फेडरेशन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दर्शनों का टकराव : 1965 – 78

- माओवादियों और माओ के आलोचना करने वालों के बीच संघर्ष चला।
- पुरानी संस्कृति के खिलाफ़ अभियान छेड़ने के लिए रेड गार्ड्स का इस्तेमाल किया गया।
- पार्टी कमज़ोर हो गई और अर्थव्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था में भारी रुकावट आई।
- 1975 में एक बार फिर पार्टी ने अधिक सामाजिक अनुशासन और औद्योगिक अर्थव्यवस्था का निर्माण करने पर ज़ोर दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1978 से शुरू होने वाले सुधार

- साँस्कृतिक क्रांति के बाद राजनीतिक दाव-पेचों की प्रक्रिया शुरू हुई।
- तंग शीयाओफींग ने देश में समाजवादी बाज़ार अर्थव्यवस्था की शुरुआत की।
- 1978 में पार्टी ने आधुनिकीकरण के अपने चार सूत्री लक्ष्य की घोषणा की।
- यह था - विज्ञान, उद्योग, कृषि और रक्षा का विकास।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समय-रेखा	
1839-60	दो अफ़ीम युद्ध
1912	सन यात-सेन द्वारा कुओमीनतांग की स्थापना
1919	चार मई का आंदोलन
1921	चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना
1934	लॉन्ग मार्च
1949	चीन का जनवादी गणतंत्र, चियांग काई-शेक ने ताइवान में चीनी गणतंत्र की स्थापना की
1962	सीमा-विवाद को लेकर भारत पर चीन का आक्रमण
1976	माओ त्सेतुंग का और चाऊ एनलाई का निधन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कोरिया में आधुनिकीकरण की शुरूआत

- कोरिया में जोसोन वंश (1392-1910) एक महत्वपूर्ण वंश था।
- इस वंश को चीन, जापान और पश्चिमी देशों का दबाव सहना पड़ा।
- जापान ने 1910 में अपनी कॉलोनी के रूप में कोरिया पर जबरन कब्जा कर लिया।
- जिससे जोसोन राजवंश का अंत हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कोरियाई लोगों ने जापानी औपनिवेशिक शासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।
- कैरो, याल्टा और पॉट्सडैम सम्मेलनों में प्रतिनिधि मंडल भेजे।
- जापानी औपनिवेशिक शासन अगस्त 1945 में समाप्त हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मुक्ति के बाद कोरियाई उपद्वीप को अस्थायी रूप से 38वीं समानांतर रेखा से दो हिस्सों में विभाजित कर दिया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उत्तरी क्षेत्र में सोवियत संघ और दक्षिण क्षेत्र में यू.एन. द्वारा संचालन किया गया।
- 1948 में यह विभाजन स्थायी रूप से स्थापित हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

युद्धोत्तर राष्ट्र

- जून 1950 में कोरियाई युद्ध शुरू हुआ।
- दक्षिण कोरिया में अमेरिकी अगुवाई वाली संयुक्त राष्ट्र सेना और उत्तर कोरिया में कम्युनिस्ट चीन सेना के समर्थन से शीत युद्ध काल का एक छद्म युद्ध शुरू हुआ।
- जुलाई 1953 में युद्धविराम समझौते से यह युद्ध समाप्त हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- युद्ध के दौरान मुद्रास्फीति से कीमतें अचानक बढ़ गईं।
- दक्षिण कोरिया को अमेरिका की आर्थिक सहायता लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- दक्षिण कोरिया के पहले राष्ट्रपति सिन्गमैन री, 1948 में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से चुने गए थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लेकिन उन्होंने अवैध संवैधानिक संशोधन के माध्यम से दो बार अपना प्रशासन काल बढ़ाया।
- अप्रैल 1960 में नागरिकों ने इस तरह की धाँधली से होने वाले चुनावों के खिलाफ विरोध किया।
- री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसको कोरिया में 'अप्रैल क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तीव्र औद्योगिकीकरण एवं मजबूत नेतृत्व

- अक्तूबर 1963 के चुनाव में सैन्य नेता 'पार्क चुंग ही' राष्ट्रपति बने।
- पार्क प्रशासन ने देश में आर्थिक विकास के लिए निर्यात-उन्मुख नीति अपनाई।
- सरकार की पाँच वर्षीय आर्थिक योजनाओं ने बड़े कॉरपोरेट फर्मों का समर्थन किया।
- रोजगार के विस्तार पर भारी जोर दिया गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इस्पात, अलौह धातु, मशीनरी, जहाज निर्माण, इलैक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक उत्पादन को आर्थिक विकास की दौड़ में सबसे महत्वपूर्ण उद्योगों के रूप में चुना गया।
- 1970 में ग्रामीण जनसंख्या को प्रोत्साहन और कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए नया गाँव (सैमौल) आंदोलन की शुरुआत हुई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इस अभियान का उद्देश्य लोगों को निष्क्रिय और निराशावान जीवन से सक्रिय और आशावान बनाना था।
- उच्च स्तर की शिक्षा ने भी कोरिया के आर्थिक विकास में योगदान दिया।
- कोरिया ने अपनी खुली आर्थिक नीति के द्वारा अन्य देशों के अधिक उन्नत संस्थानों और तकनीकों को अपने देश में लाना शुरू कर दिया था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पार्क प्रशासन की दीर्घकालिक शक्ति का आधार कोरिया का आर्थिक विकास था।
- पार्क के द्वारा किए गए संविधान संशोधन से वह तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव में खड़े हुए और 1971 में उन्हें पुनः चुना गया।
- अक्तूबर 1972 में, पार्क ने यूसिन संविधान घोषित करके कार्यान्वित किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यूसिन संविधान के तहत, राष्ट्रपति को कानून के क्षेत्राधिकार और प्रशासन पर पूर्ण अधिकार था।
- वह किसी भी कानून को "आपातकालीन नियम" के रूप में निरस्त करने का भी एक संवैधानिक अधिकार था।
- पार्क का प्रशासन अक्तूबर 1979 में 'पार्क चुंग ही' की हत्या के साथ खत्म हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोकतंत्रीकरण की माँग और निरंतर आर्थिक विकास

- मई 1980 में छात्रों और नागरिकों द्वारा लोकतंत्र की माँग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया।
- सैन्य दल ने पूरे देश में मार्शल कानून लागू करके लोकतंत्र आंदोलन को दबा दिया।
- ग्वांगजू शहर में छात्र और नागरिक मार्शल कानून को समाप्त करने की माँग करने लगे ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उसी वर्ष के अंत में, चुन यूसुइन संविधान के तहत एक अप्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से राष्ट्रपति बने।
- चुन प्रशासन ने लोकतांत्रिक प्रभाव का मजबूती से दमन किया।
- हालाँकि, चुन प्रशासन ने कोरिया के आर्थिक विकास को बढ़ाया और मुद्रास्फीति को भी कम कर दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आर्थिक विकास ने शहरीकरण, शिक्षा में सुधार और मीडिया की प्रगति को जन्म दिया।
- इसके फलस्वरूप नागरिकों में अपने राजनीतिक अधिकारों की आत्म-जागरूकता बढ़ी ।
- जिससे राष्ट्रपति के प्रत्यक्ष चुनाव के लिए संवैधानिक संशोधन की माँग की गई।
- मई 1987 में नागरिकों ने लोकतंत्रीकरण के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इन प्रयासों के चलते, चुन प्रशासन को संविधान में संशोधन करने के लिए मजबूर होना पड़ा ।
- नागरिकों को सीधे चुनाव का अधिकार मिला।

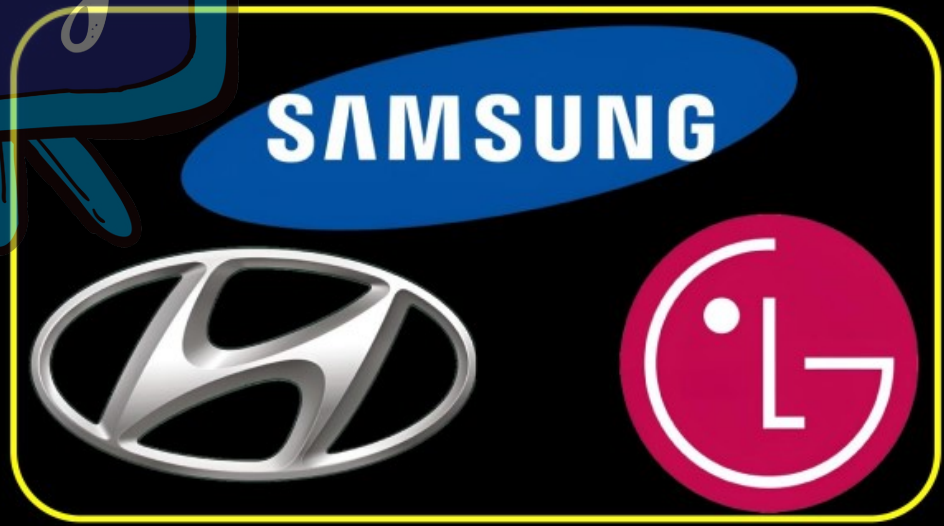


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कोरियाई लोकतंत्र और आई.एम.एफ. संकट

- नए प्रशासन की निर्यात नीति के तहत, सैमसंग, हुंडई और एलजी सहित कुछ कंपनियाँ वैश्विक प्रमुखता के स्तर तक पहुँच चुकी थीं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कोरिया के बाज़ार को अन्य देशों के लिए, खोलने के लिए किम प्रशासन ने 1996 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओ.ई.सी.डी.) में शामिल होने का निर्णय लिया।
- वित्तीय संस्थानों द्वारा खराब प्रबंधन के कारण कोरिया को 1997 में विदेशी मुद्रा संकट का सामना करना पड़ा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इस संकट को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) द्वारा आपात वित्तीय सहायता के जरिए संभालने की कोशिश की गई।
- 2012 में पार्क खन हे पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुनी गई।